चमकता रहे आपका ताज, आचार्य महाश्रमण महाराज...
केलवा में रात तक चला कवि सम्मेलन, हास्य एवं वीर रस की धारा में बहते रहे श्रोता, काव्य रचनाओं के माध्यम से दिया व्यसन मुक्ति का संदे ा
केलवाः 6 नवंबर

यहां तेरापंथ समवसरण प्रांगण में तेरापंथ धर्म संघ के 11 वें अधि ाास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित कवि सम्मेलन रात तक चला। इस दौरान दे ाभर के विभिन्न प्रांतों से समागत श्रावक समाज व श्रोता हास्य एवं वीर रस की धारा में बहते चले गए। इस दौरान मुनि कुमारश्रमण ने भी दे ा की विभिन्न समस्याओं पर कटाक्ष करते हुए अपनी प्रस्तुति की निर्झरणा बहाई और श्रोताओं को सोचने को विव ा कर दिया। कवि सम्मेलन का आयोजन चातुर्मास व्यवस्था समिति की ओर से किया गया था।

रात आठ बजे सूत्रधार कवि मध्यप्रदे ा के अलबेला खत्री ने करते हुए 'मुस्कुराती जिन्दगी चाहिए, एक उसकी मेहरबानी चाहिए' की प्रस्तुति देकर कवि सम्मेलन का आगाज किया। मुंबई से आए कवि नरेन्द्र बंजारा ने सर्वप्रथम काव्यपाठ करते हुए तेरापंथ धर्म संघ के आचार्य महाश्रमण के चरणों में अर्पित करते हुए 'समन्दर जब तक है खारा, रहेगा तब तक ध्रुव तारा, चमकता रहेगा आपका ताज, आचार्य महाश्रमण महाराज' की प्रस्तुति दी। इसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो उठे। इसके बाद उन्होंने वर्तमान राजनीति पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने 'कुर्सी की ढपली पर, धर्म का राग गाते है' और 'जिस थाली में खाना खाते है उसी में छेद करते है' की प्रस्तुति दी। कवि बंजारा ने पडोसी मुल्क पाकिस्तान द्वारा आए दिन सीमाओं पर किए जाने वाले हस्तक्षेप को लेकर वीर रस का उपयोग करते हुए 'सुन रे नवाब, अगर करगिल पर उंगली उठाई, महावीर की कसम, इस्लामाबाद में तिरंगा गाड देंगे हम' की प्रस्तुति देकर युवाओं में जो ा का संचार किया।

प्रख्यात कवि मेरठ के हरिओम पंवार ने वातावरण में समां बांधते भारत दे ा की मौजूदा स्थिति का बखान किया। उन्होंने 'घायल भारत माता की तस्वीर दिखाने आया हूं, डाकू ने खादी पहनी तो संसद में सम्मान मिला, मदिरा की बदबू आती है, संसद की दीवारों से, पूरा भारत जलियांवाला बाग दिखाई देता है' की प्रस्तुति दी। वातावरण में हास्य की रसधारा बहाने के लिए मौजूद सूरत के गोविंद राठी ने हास्य मुक्तक प्रस्तुत किए और श्रोताओं को खूब हंसाया। उन्होंने 'जब कोयल भी बच्चों की समर्थक हो जाती है, तब सारी राग–रागिनियां भी निरर्थक हो जाती है' विशयक रचना पे ा की। सूत्रधार कवि अलबेला खत्री ने तम्बाकूयुक्त गुटखा सेवन करने वाले लोगों को

चेतावनी भरे लहजे में सलाह देते हुए फिल्म किस्मत के गीत कजरा ये मोहब्बत वाला गीत की तर्ज पर 'गुटखा ये पाउच वाला, जिसने भी मुंह में डाला, ले लेगा सब की जान, कर दो सभी को सावधान' की रचना पे ा की और इससे भारीर को होने वाले नुकसान से अवगत कराया। उन्होंने बूचडखानों में कत्ल के लिए भेजी जा रही गौ माता की स्थिति पर चिंता जाहिर करते हुए 'गोवर्धन की दुलारी गौ मां, संकट में आज है हमारी गौ मां' रचना की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को गाय माता की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने 'न केवल गौरक्षा के नारे दीजिए, बेसहारा प्राणी को सहारा दीजिए' की प्रस्तुति से गौ संवर्धन के लिए बीडा उठाने का भी आग्रह किया।

राम भरोसे दे ा चल रहा....

कवि सम्मेलन में मुनि कुमारश्रमण ने भी अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए दे ा की वर्तमान स्थिति का बखान किया। उन्होंने अपनी काव्य प्रस्तुति में दे ा की टूटी–फूटी सडकों, बेहता ाा तरीके से बढ रही महंगाई की आग और इसमें घी डालने का काम कर रहा पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि पर कटाक्ष किया। मुनि ने 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाए झांकी हिन्दुस्तान की, राम भरोसे दे ा चल रहा है, मेरा दे ा महान' की प्रस्तुति दी। उन्होंने दे ा में व्याप्त भुखमरी और गंगा नदी की वर्तमान स्थिति पर कटाक्ष करते हुए 'दुनियां के कचरे से गंगा मैया रो रही और हर मंदिर के आगे दिखती भूखमंगों की टोलियां' की प्रस्तुति देकर गंगा की भाुद्धता व भुखमरी मिटाने के दावों को खोखला कर दिया। इसके बाद श्रोताओं के आग्रह पर पुनः काव्यपाठ करने आए कवि हरिओम पंवार ने अपनी चिर परिचित भौली में संविधान कविता का पाठ करते हुए ' मैं भारत का संविधान हूं, लालकिले से बोल रहा हूं, जैसा हिन्दुस्तान दिखा है, वैसा मुझमें कहां लिखा है ' प्रस्तुत कर निर्माण के बाद संविधान की हो रही दुर्द ाा का ब्योरा दिया। इसके बाद उन्होंने 'आओ चोर–मवाली खेले, दिल्ली के दरबार में, सब गांधजी के बंदर है दिल्ली के दरबार में ' प्रस्तुत कर वर्तमान राजनीति और भाासन प्रणाली की खूब बखिया उघेडी। सम्मेलन के दौरान व्यवस्था समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोठारी, महामंत्री सुरेन्द्र कोठारी, तेरापंथी सभाध्यक्ष बाबूलाल कोठारी, चिकित्सा प्रकोश्ठ संयोजक महेन्द्र कोठारी अपेक्स, राजेन्द्र कोठारी कंपनी, मंत्री लवे ा मादरेचा, प्रका ा चपलोत समेत कई कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद थे। गुलाबी सर्द रात होने के बावजूद श्रोतागण रात तक काव्यरस की बूंदें ग्रहण करते रहे।

इस समाचार का फोटो 9864 का हैं

राज्यपाल ने चातुर्मास विहार पर की चर्चा

गुजरात की राज्यपाल डॉ. कमला का रविवार भााम को यहां व्यवस्था समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोठारी ने स्वागत करते हुए स्मृति चिंह भेंट किया। इस दौरान राज्यपाल ने

अध्यक्ष कोठारी से चातुर्मास को लेकर की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली और आचार्यश्री के चातुर्मास समाप्ति के बाद विहार पर चर्चा की। स्वागत के दौरान श्रीमती स्नेहलता कोठारी, प्रेमलता कोठारी, प्रेक्षा कोठारी, प्रियां ाी कोठारी, लवे ा मादरेचा, राजेन्द्र कोठारी, महेन्द्र कोठारी अपेक्स आदि मौजूद थे। श्रीमती स्नेहलता कोठारी ने भारतीय परपंरा के अनुसार तिलक कर राज्यपाल का स्वागत किया। इससे राज्यपाल बहुत अभिभूत हुई।

महाप्रज्ञ अलंकरण समारोह आज

यहां तेरापंथ समवसरण में आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में मंगलवार को आचार्यश्री महाप्रज्ञ की स्मृति में महाप्रज्ञ अलंकरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इसी दिन आचार्य महाप्रज्ञ का स्मृति दिवस होने से अनेक गोश्ठियां, व्याख्यान होंगे। श्रावक समाज को इसका लाभ मिलेगा। जीवन विज्ञान प्रभारी मुनि कि ानलाल ने कहा कि महाप्रज्ञ अलंकरण के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में इस दिन दे ा और विदे ा के सभी निजी व सरकारी विद्यालयों में रैली निकाली जाएगी। राजसमंद जिले में भी इसी तरह का उपक्रम होगा। उन्होंने बताया कि वाद विवाद, प्र नमंच और भाशण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। भाहरी स्तर पर विद्यालयों में छात्र सम्मेलन और ि ाक्षक सम्मेलन आयोजित होंगे।